ड्रोन-युद्ध का युग: सेना की नई संरचनाएँ और ऑपरेशन सिंदूर के सबक

रक्षा/सुरक्षा | समाचार संदर्भ: 5 जून 2026 | प्रकाशित: 22 अक्टूबर 2026

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ड्रोन आधुनिक युद्ध में "defining force" (निर्णायक शक्ति) बन चुके हैं और सेना की ड्रोन-क्षमता "स्तरीय, भूमिका-आधारित और नेटवर्क्ड" होगी (HT को इंटरव्यू, 5 जून 2026) [प्रेस]। कुछ दिन पहले NDA की पासिंग-आउट परेड में उन्होंने कहा कि "भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी कर रहा है" (TOI, 30 मई 2026) [प्रेस]। दोनों बयानों के पीछे ऑपरेशन सिंदूर के बाद की संरचनात्मक बदलाव-लहर है — नई ब्रिगेड, ड्रोन-प्लाटून और मल्टी-डोमेन एकीकरण [प्रेस]।

नई संरचनाएँ: रुद्र, भैरव, अग्नि

सेना प्रमुख के अनुसार "रुद्र ब्रिगेड" ऑल-आर्म्स एकीकृत फॉर्मेशन हैं — इन्फैंट्री, मेकेनाइज्ड, आर्मर, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और सपोर्ट एक साथ; "भैरव बटालियन" घातक प्लाटून और स्पेशल फोर्सेस के बीच की क्षमता-खाली जगह भरेंगी; इन्फैंट्री बटालियन स्तर पर 382 "अग्नि ड्रोन प्लाटून" निगरानी, लक्ष्य-अभिग्रहण और सामरिक ड्रोन-प्रयोग मजबूत करेंगी; "शक्तिबान" रेजिमेंट और "दिव्यास्त्र" बैटरियाँ सटीकता और पहुँच बढ़ाएँगी [प्रेस — HT]। TOI ने बताया कि आर्मर्ड कॉर्प्स की "शौर्य स्क्वॉड्रन" अभी समीक्षाधीन हैं, और पिछले साल सेना ने स्वदेशी ड्रोन (लॉयटरिंग म्युनिशन, कामिकाज़े, सर्वेयांस UAV) के लगभग ₹5,000 करोड़ के ऑर्डर दिए [प्रेस]। विदाई-इंटरव्यू (IANS, 30 जून) में "बाज़ बटालियन" का भी ज़िक्र आया [प्रेस]। पहाड़ी स्ट्राइक कॉर्प्स को IBG (इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप) में पुनर्गठित करने की योजना और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर ब्रिगेड भी इसी कड़ी में हैं [प्रेस — HT]।

ड्रोन से काउंटर-ड्रोन तक: सेंसर-टू-शूटर चक्र

सेना प्रमुख का मूल बिंदु: ड्रोन अब "niche" नहीं — वे कवच का पीछा करते हैं, सटीक फायरिंग को मार्गदर्शन देते हैं, रसद और संचार संभालते हैं और सूचना-क्षेत्र को प्रभावित करते हैं; इसलिए ड्रोन के साथ counter-UAS, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, एयर डिफेंस और सुरक्षित नेटवर्क भी अग्रिम-पंक्ति की ज़रूरत हैं [प्रेस — HT]। असली मूल्य तब जब ड्रोन-फ़ीड आर्टिलरी, एयर डिफेंस, एविएशन, इंटेलिजेंस और ग्राउंड मैन्यूवर से जुड़कर तेज़ "sensor-to-shooter cycle" बनाएँ [प्रेस — HT]। TOI के अनुसार नवंबर 2025 के त्रि-सेवा "त्रिशूल" अभ्यास ने संकुचित समय में मल्टी-डोमेन एकीकरण ("kill-web" ढाँचा) दिखाया [प्रेस]।

PCSMANTRA.COM

युद्ध का बदलता स्वरूप: छोटा, तीव्र, तकनीकी

सिंदूर से सबक: भविष्य के संघर्ष "short-cycle, high-intensity, multi-domain" होंगे — 88 घंटे के ऑपरेशन ने एकीकृत योजना, रीयल-टाइम इंटेलिजेंस-फ्यूज़न और संकुचित निर्णय-चक्र को मान्य किया [प्रेस — HT/TOI]। सेना प्रमुख ने कहा कि "आतंकी और आतंक-प्रायोजक में कोई भेद नहीं होगा" और भारत की प्रतिक्रिया "परमाणु ब्लैकमेल से सीमित नहीं" होगी [प्रेस — HT]। थिएटर-कमान पर दो ध्वनियाँ: HT में उन्होंने दिशा को "स्पष्ट और अपरिवर्तनीय (irreversible)" कहा, जबकि TOI का आकलन है कि एकीकृत थिएटर

कमान की प्रगति “ठहरी” हुई है और भारत में अभी इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स नहीं बनी — दोनों मूल्यांकन अलग-अलग स्रोतों के हैं [प्रेस]।

परीक्षा की दृष्टि से

- **GS-3 (सुरक्षा/रक्षा-प्रौद्योगिकी):** ड्रोन/काउंटर-UAS, लॉयटरिंग म्युनिशन, AI-सहायता निर्णय-तंत्र; स्वदेशीकरण (₹5,000 करोड़ ऑर्डर) और “Decade of Transformation” [प्रेस]।
- **GS-3 (रक्षा-संगठन):** मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस, थिएटराइज़ेशन, IBG; नई संरचनाएँ (रुद्र/भैरव/अग्नि/शक्तिबान/दिव्यास्त्र/बाज़) [प्रेस]।
- **करेंट अफेयर्स:** सेना प्रमुख के बयान — NDA परेड (30 मई), HT इंटरव्यू (5 जून), IANS विदाई-इंटरव्यू (30 जून 2026); ऑपरेशन सिंदूर के सबक [प्रेस]।

PCSMANTRA.COM

यह भी पढ़ें: NASM-SR का पहला सैल्वो परीक्षण: दो मिसाइलें, man-in-loop और waterline hit (29 अप्रैल 2026)

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"ड्रोन युद्ध ने आधुनिक युद्ध-कला कैसे बदली है? भारतीय सेना के पुनर्गठन और स्वदेशी ड्रोन-क्षमता निर्माण की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।" (सामान्य अध्ययन-III; 250 शब्द)

स्रोत

- [प्रेस] Hindustan Times (Exclusive), "'Drones a decisive force': Army chief details how India is boosting defence capabilities", 5 जून 2026 — hindustantimes.com
- [प्रेस] Times of India, "Operation Sindoor 2.0: How the army is preparing for the next battle", 30 मई 2026 — timesofindia.com (articleshow/131406286)
- [प्रेस] IANS, "Op Sindoor validated Army's joint, integrated, future-ready warfighting capability: Gen Dwivedi", 30 जून 2026 — ianslive.in

PCSMANTRA.COM